जहाँगीर — 1605-27 AD

वास्तविक नाम = नूर-उद-दिन मोहम्मद सलीम
यह अपने सख्त न्याय प्रशासन के लिए जाने जाते हैं।
शाही न्याय चाहने वालों के लिए आगरा किले में जंजीर-ए-अदल (न्याय की जंजीर) की स्थापना की।
1611 में- जहांगिर ने बंगाल के फारसी रईस शेर अफगान की विधवा मिहर-उन-निसा से शादी की।
→ नूरजहाँ की उपाधि दी।
नूरजहां ने राज्य के मामलो में जबरदस्त प्रभाव डाला।
नूरजहां को आधिकारिक पादशाह बेगम बनाया गया।
जहांगीर ने मारवाड़ की मानमती / जगतगोसाई / जोधाबाई और एक कछवाहा राजकुमारी से भी शादी की।
1608 में ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रतिनिधि कैप्टन विलियम हॉकेन्स जहांगीर के दरबार में आया। → was given mansab of 400
1615 में – इंग्लैण्ड के राजा जेम्स प्रथम के राजदूत सर थॉमस रो भी उसके दरबार में आया।
हालांकि जहांगीर ने शुरुआत में विरोध किया लेकिन बाद में उसने अंग्रेजों को सूरत में एक व्यापारिक बन्दरगाह स्थापित करने की अनुमति दे दी।
उसने अहमदनगर पर कब्जा कर लिया।
‖
मलिक अम्बर ने उसे बालघाट की जागिर सौंप दी।

Killed - 5^{th} Sikh guru → अर्जुन देव
→ खुसरो (जहांगीर का पुत्र) ने अपने पिता के विरुद्ध विद्रोह कर दिया और अर्जुन देव ने उसे शरण दी।

राजकुमार खुर्रम और महावत खान ने उसके विरुद्ध विद्रोह कर दिया।
memories written = तुजुक-ए-जहांगीरी – फारसी भाषा में
जहांगीर को लाहौर में दफनाया गया।
→ शाहजहां

शाहजहाँ —

माता का नाम – जगतगोसाई / जोधाबाई (राजा जगत सिंह की पुत्री)

Best Known for his Deccan and foreign politics.

पत्नी - मुमताज महल → 1631 में मृत्यु → 3 years after Jahangir's accession to the throne

→ वास्तविक नाम = अर्जुमंद बानो

शाहजहाँ ने इनकी याद में आगरा में ताजमहल बनाया। (1632-53)

1632 :- पुर्तगालियों को हराया।

1637 :- उसने अहमदनगर, बीजापुर और गोलकोंडा पर कब्जा कर लिया। और सबने उसकी अधीनता स्वीकार कर ली।

उसके शासनकाल का वर्णन = french Travellers → बरनायर, तवरनायर और इटालियन यात्री

- बरनायर → BOOK = Travels in the Mogul Empire
- तवरनायर → BOOK = Travel in India
- इटालियन यात्री → Nicoli Manucci

पीटर मुंडी ⟹ शाहजहाँ के शासनकाल में पड़ने वाले अकाल का वर्णन किया।

कहा जाता है कि इसका शासनकाल मुगल वंश के शिखर पर था।

He is Known to promote = Art, Culture, Architecture

Built = लाल किला, जामा मस्जिद, ताज महल

(लाल किला, जामा मस्जिद → Delhi)

Sahajahan Built —

दीवान-ए-आम = where common people gathered

दीवान-ए-खास = all the Important people : King and nobility sat here

→ In Delhi

PARMAR SSC

कोहिनूर हीरा → मयूर सिंहासन → दीवान-ए-खास

कोहिनूर हीरा: सर्वप्रथम काकतीय वंश द्वारा उत्खनन किया गया। (South India)

मयूर सिंहासन: ऊँचे भाग में बनाया गया
1100 Kg gold (लगभग)

Stolen by नादिर शाह

शाहजहाँ के खराब स्वास्थ्य के कारण 1657 में उसके चार बेटों के बीच उत्तराधिकार युद्ध शुरु हो गया।

July 1658 = औरंगजेब विजेता बनकर उभरा

→ अपने पिता को कैद करके आगरा किले में रखा। 1666 में मृत्यु हो गयी। शव को ताजमहल में दफनाया गया मुमताज महल के बगल में

→ why?
Because शाहजहां दाराशिकोह को गद्दी पर बैठाना चाहते थे।

औरंगजेब — (1658-1707)

1658:- दारा शिकोह को धरमत, सामुगढ़ में और देवराय को हराया।

After victory = दिल्ली में उसका राज्याभिषेक हुआ। → title = आलमगीर

He captured गुरु तेग बहादुर (9th guru of Sikh) and executed him.

→ why?
Because उन्होंने इस्लाम अपनाने से इन्कार कर दिया।

PARMAR SSC

गुरु गोविन्द सिंह (10th and last guru of Sikhs and son of Guru Teg Bahadur)

→ Organised his followers into a community खालसा to fight muslim tyranny and avenge father's death.

1708 :- दक्कर दक्कन के नांदेर में एक अफगान द्वारा हत्या कर दी गयी।

शिष्य = बंद बहादुर = continued the war against Mughals

→ Original name = लक्ष्मण देव

Became a saint and named as माधो दास (earlier)

Named as बंद बहादुर by guru Govind Singh

During the first 23 years of rule (1658-81) Aurangzeb concentrated on North India.

शिवाजी (most powerful Marath King) ⟶ औरंगजेब के दुश्मन

⇓ हत्या करने के लिए

औरंगजेब ने आमेर के जयसिंह के साथ मिलकर षडयंत्र रचा।

शिवाजी ने औरंगजेब के दरबार का दौरा किया और उन्हें कैद कर लिया गया लेकिन 1674 में वे भागने में सफल रहे।

→ खुद को छत्रपति घोषित किया।

मृत्यु = 1680

उत्तराधिकारी = शम्भाजी

1686 :- बीजापुर पर औरंगजेब ने कब्जा कर लिया।

1687 :- गोलकोंडा पर कब्जा कर लिया।

Appointed — मुहतासिब ⟶ religious officers

wrote — फतवा-ए-आलमगीरी (muslims laws / islamic religion)

जजिया को पुनः start कर दिया।

मृत्यु - 1707 ⟶ देवगिरी — औरंगाबाद ⟶ वर्तमान शंभाजी नगर

→ The Hindu Mansabdar maintained their high proportion

He was called — जिंदापीर — the living saint

LATER MUGHALS —

बहादुर शाह → 1707-1712

Also known as शाह आलम प्रथम

जहांदार शाह → 1712-1713

जुल्फिकार खान की मदद से गद्दी पर बैठा
जजिया को खत्म कर दिया।

फरुख्ख सियार → 1713-1719

सय्यद भाइयों की मदद से गद्दी पर बैठा।
⇓
again killed him with the help of Marathas

मुहम्मदशाह 1719-1748

नादिर शाह का आक्रमण (1739)
was also known as रंगीला बादशाह

अहमद शाह 1748-1754

आलमगीर द्वितीय 1754-1759

शाह आलम द्वितीय 1759-1806

अकबर द्वितीय 1806-1837

बहादुर शाह द्वितीय 1837-1857

प्रशासन व्यवस्था —

सूबा (lead by सूबेदार (निजाम)
↓
सरकार (district) (फौजदार) — (Revenue collector — अमलगुजार)
↓
परगना (तालुका) → सिकदार → कानूनगो — Revenue collector
↓

Mughal Culture —

Charbagh style of Architecture —

हुमायूं का मकबरा = was built by his widow हाजी बेगम

बुलन्द दरवाजा = built after Gujrat victory
formed the main entrance to fatehpur Sikri

सलीम चिश्ती का मकबरा = redone in marble by Jahagir
is the first mughal building
in pure marble
Palace of Birbal, Palace of Tansen
are also inside the fatehpur Sikri

मोती मस्जिद (लाहौर) = Jahangir built Moti Masjid in Lahore
and his mausoleum at Shahdara (Lahore)

मोती मस्जिद (आगरा) = built by Shahjhan (only masque of marble)

Khass Mahal, Mussmman Burz (Jasmine palace where he spent his last year in captivity)

खास महल = दीवान-ए-खास
built by Shahjhan
मयूर सिंघसन है यहां पर
It is inside red fort

दीवान-ए-आम = built by Akbar

मुस्समान बुर्ज = built by Shahjhan.
Also Known as Jasmine Palace where he spent his last years in captivity

Only building by Aurangzeb in the Red fort is Moti Masjid

PARMAR SSC

Only Monument by Aurangzeb in memory of his wife
Rabbia-ud-daura
→ दिलरास बानो बेगम

दौलताबाद में है।
Now- शांभाजी नगर
where Aurangzeb spent his last years.

- 1586 में अकबर ने कश्मीर को मुगल साम्राज्य में मिला लिया।
- 1579 में महजरनामा जारी किया - अकबर ने
- मकसूदाबाद शहर ⟶ मुर्शिदाबाद = अकबर ने बनवाया।
- जात और सवार = मनसबदारी प्रथा से संबंधित
- सराय नूर महल = पंजाब में = नूरजहाँ ने बनवाया।
- इतिमाद-उद-दौला का मकबरा = पिएट्रा ड्यूरा शैली में = आगरा = नूरजहाँ
- पुस्तक चारचमन = चन्द्रभान ब्राह्मण ने → शाहजहाँ के शासनकाल में
- शाहजहाँ ने - सुल्तान बुलंद इकबाल-की उपाधि = दाराशिकोह को दी
- बादशाही मस्जिद = औरंगजेब ने = लाहौर में
- चार मीनार = मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने
- गोल गुम्बद = आदिल शाह ने